पहले ही महीने में मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने स्थापित किए उत्कृष्टता के नए मानक

92.03% उपलब्धता और 80.65% लोड फैक्टर के साथ विश्वसनीयता का परिचय

नए वित्तीय वर्ष की दमदार शुरुआत: संजय गांधी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 2 ने दर्ज किया 100 दिनों का निर्बाध उत्पादन

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत एक नई ऊर्जा, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के साथ करते हुए अपने प्रदर्शन की नई इबारत लिखनी प्रारंभ कर दी है। कंपनी की उत्पादन इकाइयों ने न केवल सतत एवं विश्वसनीय विद्युत उत्पादन की प्रतिबद्धता को दोहराया है, बल्कि वित्तीय वर्ष के पहले ही महीने में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित कर यह सिद्ध कर दिया है कि कंपनी निरंतर प्रगति और रिकॉर्ड स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। इसी क्रम में संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 2 ने 24 अप्रैल 2026 को लगातार 100 दिनों तक निर्बाध विद्युत उत्पादन कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह इकाई 14 जनवरी 2026 से सतत संचालन में है और इस अवधि के दौरान इसके प्रदर्शन ने तकनीकी दक्षता और परिचालन उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित किए हैं।

जबलपुर। विश्वसनीयता के रिपोर्ट कार्ड में अव्वल- इस उपलब्धि के दौरान इकाई ने 92.03 प्रतिशत का प्लांट उपलब्धता कारक एवं 80.65 प्रतिशत का प्लांट लोड फैक्टर बनाए रखते हुए अव्वल स्तर की विश्वसनीयता और दक्षता का प्रदर्शन किया है। ये आंकड़े न केवल इकाई की तकनीकी सुदृढ़ता को दर्शाते हैं, बल्कि संचालन, अनुरक्षण एवं सहयोगी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय और टीमवर्क का भी सशक्त प्रमाण हैं।

उपलब्धियों से सशक्त हो रही विश्वसनीयता-कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर संपूर्ण टीम को हार्दिक बधाई देते हुए उनके समर्पण, अनुशासन और पेशेवर दक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां हमारे उद्देश्य को और अधिक सुदृढ़ बनाती हैं और राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में

कंपनी की विश्वसनीयता को और अधिक सशक्त करती हैं। उन्होंने टीम को भविष्य में भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ नए कीर्तिमान स्थापित करने हेतु प्रेरित किया।

डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) एच. के. त्रिपाठी एवं उनकी संपूर्ण टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्युत गृह के कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों की प्रतिबद्धता, मेहनत और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिससे कंपनी को गर्व की अनुभूति होती है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम माह में ही इस प्रकार की उपलब्धि यह स्पष्ट संकेत है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की कार्यप्रणाली में अब एक नई ऊर्जा का प्रवाह हो रहा है जिसका सृजन कार्मिकों की प्रतिबद्धता, काबिलियत और कर्मठता के द्वारा हो रहा है। मध्यप्रदेश पावर कंपनी आगामी समय में भी उत्पादन, विश्वसनीयता और दक्षता के नए मानक स्थापित करते हुए प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में निःसंदेह अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति का आयोजन

केंद्रीय कारागार में लगा स्वास्थ्य व विधिक साक्षरता शिविर

जबलपुर। हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष हाई कोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल के मार्गदर्शन में केंद्रीय कारागार में वृहद स्वास्थ्य व विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसी के साथ न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने बंदियों को विधिक सहायता संबंधी जानकारी दी गई। बेहतर स्वास्थ्य व उनके प्रकरणों के निराकरण हेतु समय पर उचित कार्यवाही करने, बंदियों को

मिलने वाली माफी की जानकारी से बंदियों को अवगत कराने व नियमानुसार बंदियों को माफी का लाभ दिए जाने निर्देशित किया गया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कालेज से आए हुए जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, स्किन व वीडी, स्त्री रोग, ईएनटी, डेन्टल, न्यूरोलाजी, मनोरोग, अस्थिरोग, शिशुरोग, अंकोलाजी, नेफ्रोलाजी विभाग के चिकित्सको द्वारा जेल में परिरूद्ध कुल 265 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया व उनके उपचार हेतु जरूरी दवाईयों का वितरण भी किया गया। जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर, उप जेल अधीक्षक मदन कमलेश, उप जेल अधिक्षक रूपाली मिश्रा व सहायक जेल अधीक्षक अंजू मिश्रा का सहयोग रहा। संचालन सहायक जेल अधीक्षक हिमांशु तिवारी ने किया।

हाईकोर्ट का आदेश

साकेत नगर पार्क से क्रिकेट एकेडमी हटाने पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने साकेत नगर पार्क में स्थिति क्रिकेट एकेडमी हटाने पर रोक लगा दी। जस्टिस संजीव कालगांवकर की सिंगल बेंच ने साफ किया कि वहां सिर्फ कालोनी के बच्चे ही खेलते हैं, इसलिए उसे अतिक्रमण नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्ता साकेत नगर युवा समिति की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि नगर निगम, जबलपुर के कार्यपालन यंत्री ने अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करते हुए क्रिकेट एकेडमी संचालन, नेट सहित अन्य मटेरियल हटाने का आदेश जारी कर दिया है। पूर्व में हाई कोर्ट ने निगमायुक्त को चार सप्ताह के भीतर अभ्यावेदन निराकरण करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद आदेश की मनमानी व्याख्या कर पार्क में क्रिकेट एकेडमी संचालन को अतिक्रमण करार देकर हटाने का आदेश दे दिया। जिससे व्यथित होकर हाई कोर्ट की शरण लेनी पड़ी।

भाजपा नेता पर जानलेवा हमला करने के आरोपियों को जमानत नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस आहलूवालिया की सिंगल बेंच ने भाजपा नेता पवन पटेल पर जानलेवा हमला करने के आरोपियों आशीष सिंह व सोनू सिंह की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। नरसिंहपुर निवासी आशीष व सोनू की ओर से जमानत अर्जी दायर की गई थी। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ आवाज उठाने पर पवन पर जानलेवा हमला किया था। इससे पवन को कई फ्रेक्चर हुए थे। इस मामले में पलोहा बाड़ा थाना में दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ था। दोनों आरोपी 6 अप्रैल से जेल में हैं। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता ने कुछ देर बहस करने के बाद जमानत अर्जी वापस ले ली।

रानी दुर्गावती विवि के कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने की मांग

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ द्वारा 36 सूत्रीय मांगों के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन

सौंपा गया, जिसका निराकरण किये जाने का अनुरोध किया गया है। विगत 2.5 वर्षों से कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं को विश्वविद्यालय द्वारा निराकृत नहीं किया जा रहा है जिससे विश्वविद्यालय का सर्वहारावर्ग आक्रोशित है। जिसमें कर्मचारियों की अतिमहत्वपूर्ण मांगें हैं कि शासन द्वारा निरस्त किये गये 70 पदों को पुनः बहाल किया जाये। विगत पांच वर्षों से अनुकम्पा नियुक्ति नहीं की गई है जिसे अविलम्ब की जाये। सेवानिवृत्त हुये कर्मचारियों के स्वत्वों का भुगतान तत्काल किया जाये। वर्ष 2008 में नियमित किये गये समस्त कर्मचारियों को समयमान वेतनमान के अंतर राशि का भुगतान अविलम्ब किया जाये तथा कार्यपरिषद् के निर्णय अनुसार विश्वविद्यालय के समस्त स्थाई कर्मियों को समिति की अनुशंसानुसार नियमितीकरण के अविलंब आदेश जारी किये जायें।

उपरोक्त संबंध में अध्यक्ष संजय यादव, महासचिव अंकित श्रीवास सहित वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसजीवन सोंधिया, वीरेन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव रोहित आर्या, कोषाध्यक्ष सौरभ पटेल, कार्यकारिणी सदस्य- दीपक पाण्डेय, प्रकाश चौबे, गणेश प्रसाद उनेहा, सनी यादव, रामशंकर द्विवेदी एवं पूर्व प्रांताध्यक्ष बंशबहोर पटेल, पूर्व अध्यक्ष बैसाखू सहित अनेक कर्मचारियों ने कुलसचिव को 36 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा है जिसका निराकरण यदि 20.05.2026 तक नहीं किया जाता है, तो कर्मचारी संघ कार्य का बहिष्कार आंदोलन करने हेतु बाध्य होगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

94 हजार 940 क्विंटल गेहूं खरीदा गया

17 हजार 416 किसानों ने कराये स्लॉट बुक

जबलपुर। जिले में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं के उपार्जन की प्रारंभ हुई प्रक्रिया के तहत अभी तक 2 हजार 477 किसानों से 94 हजार 940 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है। फिलहाल किसानों से गेहूँ का उपार्जन 60 खरीदी केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है। जल्दी ही दस खरीदी केन्द्र और स्थापित किये जा रहे हैं। अभी तक 17 हजार 416 पंजीकृत किसानों द्वारा स्लॉट की बुकिंग कराई जा चुकी है। प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक सीमा बौरसिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय करने जिले के 50 हजार 788 किसानों द्वारा 82 हजार 135 हेक्टेयर भूमि का पंजीयन कराया गया था। कुल पंजीकृत किसानों में से अभी तक 34.29 प्रतिशत किसान स्लॉट बुक करा चुके हैं। किसानों की सुविधा को देखते हुए शनिवार 25 अप्रैल को भी स्लॉट की बुकिंग और खरीदी का कार्य चालू रहा। प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक के अनुसार उपार्जन के प्रारंभिक चरण में केवल 2 हेक्टेयर एवं उससे कम कृषि भूमिधारित करने वाले छोटे कृषकों के स्लॉट बुकिंग का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक खरीदी केंद्र की स्लॉट बुकिंग की क्षमता भी बढ़ा दी गई है। प्रत्येक केंद्र पर अब प्रतिदिन 2 हजार 250 क्विंटल की क्षमता नियत कर दी गई है, ताकि अधिक से अधिक छोटे किसानों के स्लॉट बुक हो सके। छोटे किसानों की स्लॉट बुकिंग पूर्ण होने पर शीघ्र ही मध्यम एवं बड़े किसानों के भी स्लॉट बुकिंग पोर्टल पर चालू हो जायेगी।

बड़े बकायादारों पर शिकंजा, एक दिन में 17 लाख से अधिक की वसूली

25 टीमों की कार्रवाई, 157 प्रकरण निपटाए, 5-6 साल पुराने बकाया भी वसूले, 15 मई तक चलेगा अभियान

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में वर्षों से लंबित बिजली बिल बकायादारों के खिलाफ शनिवार को बिजली विभाग ने बड़ा अभियान चलाया। खास बात यह रही कि कार्रवाई उन उपभोक्ताओं पर केंद्रित रही, जिनके कनेक्शन बकाया न चुकाने के कारण वर्षों पहले ही स्थायी रूप से विच्छेदित (पीडी) कर दिए गए थे। इसके बावजूद विभाग को उनसे राशि वसूली में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

नगर वृत्त जबलपुर के अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान के तहत शहर के पांचों संभागों में लगभग 25 टीमों का गठन किया गया। लाइन स्टाफ और आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ मिलकर इन टीमों ने दिनभर सघन कार्रवाई करते हुए 157 प्रकरणों में 17 लाख रुपये से अधिक की वसूली की।

भ्रम में रहे उपभोक्ता

एसई अरोरा के अनुसार जिन उपभोक्ताओं से वसूली की गई, उनमें कई ऐसे मामले थे जिनके मीटर 5 से 6 वर्ष पूर्व ही निकाल लिए गए थे। ऐसे उपभोक्ताओं को यह भ्रम हो गया था कि विभाग अब उनके पुराने बकाया को लेकर सक्रिय नहीं है और खाता बंद होने के बाद उनसे राशि नहीं ली जाएगी।

सुनियोजित रणनीति आई काम

एसई अरोरा ने बताया कि विभाग ने इस बार तकनीक और फील्ड नेटवर्क का उपयोग करते हुए इन बकायादारों को चिन्हित किया और सीधे संपर्क कर बकाया राशि जमा कराई। अधिकारियों के अनुसार एक साथ इतने प्रकरणों में वसूली करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन सुनियोजित रणनीति से यह संभव हो सका।

सरचार्ज में छूट से मिली राहत

अभियान के दौरान उपभोक्ताओं को राहत भी दी गई। सभी बकायादारों को शासन की समाधान योजना के अंतर्गत चिन्हित किया गया, जिसके तहत सरचार्ज में भारी छूट प्रदान की गई। इससे उपभोक्ताओं को कम राशि में अपना पुराना बकाया चुकाने का अवसर मिला।

19 करोड़ रुपये की वसूली लंबित

बिजली विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान 15 मई तक लगातार जारी रहेगा। विभाग के अनुसार अभी भी लगभग 19 करोड़ रुपये की वसूली लंबित है। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस अवधि का लाभ उठाकर बकाया जमा करें और सरचार्ज में छूट का फायदा लें।

पारा 42.6 डिग्री पर, गर्मी के तेवर तीखे

सीजन का सर्वाधिक गर्म दिन रहा शनिवार

जबलपुर। उत्तर पश्चिमी हवाओं की रफ्तार तेज होने के कारण तापमान में उछाल आई है। शनिवार को पारा 42.6 डिग्री पर पहुंच गया। जो इस सीजन का सर्वाधिक तापमान रहा। गर्मी का प्रभाव पूरी तरह से बरकरार है। चारों तरफ गर्मी का असर देखा जा रहा है। दिन में धूप असहनीय होने लगी है। रात में भी पश्चिमी हवाओं की गर्माहट बनी रहती है। सूर्योदय से सूर्यास्त तक धूप की तपन तेज गर्मी का अहसास करा रही है। खास बात यह है कि हवाओं की तेज रफ्तार के कारण दिन का तापमान औसत से ऊपर है जबकि रात का तापमान औसत से 1 डिग्री नीचे चल रहा है। लेकिन मौसम शुष्क और हवा में नमी घटने के कारण गर्मी का तीखा प्रभाव बना हुआ है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 42.06 डिग्री सेल्सियस पर रूक गया, जो समान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 23.04 डिग्री सेल्सियस पर पहुंय गया जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। हवा मे नमी प्रातःकाल 32 प्रतिशत और सायंकाल 23 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5 बजकर 40 मिनिट पर हुआ, जबकि सूर्यास्त सायं 6 बजकर 35 मिनिट पर हुआ। उत्तर पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। मौसम कार्यालय के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान जिले का मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना व्यक्त की गई है। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 41.05 डिग्री ओर न्यूनतम तापमान 22.06 डिग्री रहा। प्रदेश में सर्वाधिक 43.9 डिग्री तापमान खजुराहो जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में जनगणना प्रशिक्षण

जबलपुर। नगर निगम के 16 संभागों के लिए जनगणना कार्य हेतु 860 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अप्रैल 2026 से सफलतापूर्वक शुरू हो चुका है। यह प्रशिक्षण आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) मढोताल के 20 विभिन्न कक्षों में आयोजित किया जा रहा है, जहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में इस पूरे कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। जनगणना कार्य की बारीकियों को सिखाने के लिए मास्टर ट्रेनर्स और सहायक प्राध्यापकों की टीम तैनात की गई है। इसमें प्रो. चंद्रशेखर राजहंस, मनोज नथानी और जनगणना निदेशालय से आए विशेषज्ञ शामिल हैं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नगर जनगणना अधिकारी मनोज श्रीवास्तव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। कार्य की महत्ता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सख्त है। प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों पर तुरंत संज्ञान लिया गया है ताकि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में कोई बाधा न आए और कार्य पूरी गंभीरता से संपन्न हो। यह प्रशिक्षण 25 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसके बाद प्रशिक्षित टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गणना कार्य के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

मृतक रंजीत कोरी का जीवित अवस्था का चित्र।

करंट लगने से युवक की मौत पर लाश रखकर किया प्रदर्शन

जबलपुर। अमखेरा पानी की टंकी स्थित करंट लगने से युवक की मौत होने पर शनिवार सुबह परिजनों ने लाश रखकर किया चकाजाम और प्रदर्शन।

24 घंटे में बिजली पोलों से इंटरनेट फाइबर केबिल हटाने की चेतावनी

जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर के शहर वृत्त कार्यालय ने निजी दूरसंचार कंपनियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। विद्युत खंभों पर अव्यवस्थित तरीके से जाल की तरह फैली केबलों को हटाने के लिए कंपनी ने अब अंतिम चेतावनी जारी की है। अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त संजय अरोरा द्वारा इस संबंध में रिलायंस जियो डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड को पृथक-पृथक पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है। विभाग का कहना है कि इन कंपनियों द्वारा विद्युत खंभों का उपयोग टेलीफोन और इंटरनेट सेवाओं के लिए किया जा रहा है, लेकिन इसमें सुरक्षा मानकों और कंपनी के दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन हो रहा है। श्री अरोरा ने स्पष्ट किया है कि 21 अप्रैल 2026 को हुई बैठक और पूर्व में जारी विभिन्न पत्रों के बावजूद धरातल पर केबलों को व्यवस्थित करने का कोई कार्य नहीं किया गया है। अब कंपनियों को केवल 24 घंटे का समय दिया गया है। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर विद्युत खंभों पर खींची गई केबलों को तय मापदंडों के अनुसार व्यवस्थित नहीं किया गया, तो विभाग स्वयं इन केबलों को खंभों से काटकर हटाने की कार्रवाई शुरू कर देगा। इस कार्रवाई के दौरान होने वाले किसी भी वित्तीय नुकसान या सेवा में व्यवधान के लिए संबंधित निजी कंपनियां ही पूरी तरह जिम्मेदार मानी जाएंगी।

भीषण गर्मी में सावधानी जरूरी विशेषज्ञों ने जारी की अहम सलाह

जबलपुर। तेज़ गर्मी के इस मौसम में सेहत का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों के अनुसार हीट वेब के दौरान लापरवाही गंभीर समस्याओं जैसे Heatstroke (लू लगना) और डिहाइड्रेशन का कारण बन सकती है।

किन चीजों से बचाव जरूरी है?

विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप, ज्यादा मसालेदार भोजन और बाहर की अस्वच्छ चीजों से परहेज करें। खासकर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बिना जरूरत बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस समय धूप सबसे ज्यादा तेज होती है।

कितना पानी पीना चाहिए?

गर्मी में शरीर में पानी की कमी न होने देना सबसे महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना कम से कम 8 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। यदि आप ज्यादा पसीना बहाते हैं या बाहर काम करते हैं, तो पानी की मात्रा और बढ़ा दें। इसके अलावा नींबू पानी, नारियल पानी और ताजे फलों के जूस का सेवन भी फायदेमंद है।

धूप से कितना और कैसे बचाव करें?

धूप से बचने के लिए हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें, सिर को ढंकने के लिए टोपी या कपड़ा इस्तेमाल करें और आंखों की सुरक्षा के लिए सनग्लासेस पहनें। बाहर निकलते समय सनस्क्रीन लगाना भी जरूरी है ताकि त्वचा को नुकसान से बचाया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार संभव हो तो छायादार स्थानों पर रहें और समय-समय पर पानी पीते रहें।

लक्षण दिखने पर तुरंत सावधानी

यदि किसी को चक्कर आना, तेज सिरदर्द, उल्टी या शरीर का तापमान बढ़ना महसूस हो, तो तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं और पानी पिलाएं। यह लक्षण Heatstroke के हो सकते हैं, इसलिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जनता से अपील

विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में जरूरी सावधानियां अपनाएं और खासकर बच्चों व बुजुर्गों का ध्यान रखें, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

डॉ. अजय वाधवानी
फ़ैमिली फिज़िशियन

30 अप्रेल को निकाली जाएगी विश्व शांति धम्म यात्रा

जबलपुर। बोधिसत्व डॉ. भीमराव आम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव समिति के तत्वावधान में 30 अप्रेल को विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध की 2570वीं त्रिगुण पावन पूर्णिमा एवं जयंती के अवसर पर पूर्व संध्या पर शाम 05 बजे सिविक सेंटर से विश्व शांति धम्म यात्रा डॉ. आम्बेडकर चौक तक निकाली जाएगी। समस्त बौद्ध विहारों से उपस्थिति की अपील यादव राव मेश्राम, जेपी नन्हेट, धर्मशील चाटे, दीपक मेश्राम, सिद्धार्थ उरकुडे, दीपक वानखेड़े, वीरेन्द्र बौद्ध, विजय धावर्डे, चन्द्रकला ढोके, रेखा बालके, सुनीता शेंडे सहित अन्य ने की है।

श्री चित्रगुप्त जयंती पर पूजन, हवन, भंडारा व मां नर्मदा महाआरती सम्पन्न

जबलपुर। कायस्थ महासभा श्री चित्रगुप्त महाराज सेवा व महिला परिषद् फूटाताल द्वारा फूटाताल मंदिर में पूजा-अर्चना, भंडारा व सात बजे मां नर्मदा जी महाआरती सुश्री शोभा दीदी के सानिध्य में सम्पन्न हुई कार्यक्रम में आराध्य देव जी के पूजन, कथा चालीसा पाठ भी किया। कार्यक्रम में विनय सक्सेना, अमेन्द्रनारायण श्रीवास्तव, पियूष वर्मा, संतोष श्रीवास्तव, अखिलेश ब्यौहार, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, प्रमोद विवेक श्रीवास्तव, सचिन खरे, ज्योति खरे, सरोज खरे सहित बड़ी संख्या में चित्रांश बंधुओं की उपस्थिति रही।

नवोदित प्रतिभा सीख रही आत्मरक्षा के गुर

जबलपुर । मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, शालेय शिक्षा विभाग, क्रीड़ा भारती महानगर तथा जिला जूडो संघ के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन जूडो प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। ग्रीष्मकालीन इस शिविर में नवोदित प्रतिभाएं आत्मरक्षा के गुर सीख रहीं हैं।

जिला जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि गुप्ता के अनुसार इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है। शिविर के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि रत्नेश सोनकर (नगर अध्यक्ष, भाजपा) द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पंकज दुबे (नगर महामंत्री, भाजपा), शुमायला अंजुम (अंतरराष्ट्रीय जूडो मेडलिस्ट) आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मालपानी स्कूल के प्राचार्य राजकुमार मिश्रा ने की। उपस्थित अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की ओर से पौधे दे कर किया गया।

आरोह कैलेंडर का पालन : जिला संघ के सचिव व वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने बताया कि शिविर के दौरान खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार 'आरोह-2026' कैलेंडर का पालन किया जाएगा। इसके अंतर्गत मई और जून माह के वीकेंड्स पर विशेष सत्र आयोजित होंगे, जिनमें फिट-इंडिया मूवमेंट, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से खिलाड़ियों को मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। यह खेल गतिविधियां निर्धारित समय तक निरंतर चलती रहेंगी।

शिविर के समापन के पश्चात एक जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा जिससे नवोदित खिलाड़ियों में छिपी प्रतिभा निखर सके। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि जूडो सिर्फ आत्मरक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन सिखाने वाला एक वैश्विक खेल है। उन्होंने खिलाड़ियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी पूरी निष्ठा से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

सशक्त हस्ताक्षर की 47वीं काव्य गोष्ठी सम्पन्न

आनंद और शांति देता है साहित्य

जबलपुर। साहित्य के क्षेत्र में क्रियाशील संस्था सशक्त हस्ताक्षर की 47वीं मासिक काव्य गोष्ठी नूतन मराठी स्कूल गोल बाजार में संपन्न हुई। अतिथि वक्ताओं ने कहा कि सार्थक साहित्य परहित के लिए समर्पित होता है। साहित्य से ही मन में आनंद और शांति का अनुभव होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुरेन्द्रलाल साहू निर्विकार थे] जिन्हें सम्मानित भी किया गया। अध्यक्षता महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि आचार्य विजय तिवारी, अरुण शुक्ल, विजय नेमा, संतोष नेमा, संगम त्रिपाठी रहे। इन्द्रसिंह राजपूत, विवेक गुप्ता ने कविताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। सारस्वत अतिथि राजेश पाठक प्रवीण ने कहा कि साहित्य की विविध विधाओं में किया गया ऐसा सृजन जो समाज को बोध देने वाला होता है, वही सृजन सशक्त सृजन बन जाता है। अतिथियों का स्वागत शेखर शर्मा, महेश स्थापक, मंजू इंगले ने किया। द्वितीय सोपान में आयोजित काव्य गोष्ठी में प्रेमकुमार पालीवाल, अखिलेश खरे, लखनलाल रजक, अमरसिंह वर्मा, शिवानी भगत, कालीदास ताम्रकार, विजय सिन्हा, जय प्रकाश श्रीवास्तव, अभय तिवारी, दीनदयाल तिवारी, उर्मिला श्रीवास्तव, केशरी प्रसाद पाण्डेय, संजय पाण्डेय ने काव्य रस वर्षा की। संचालन गणेश श्रीवास्तव प्यासा, आभार प्रदर्शन मदन श्रीवास्तव ने किया।

श्री सांवरिया पार्श्वनाथ भगवान की आकर्षक मनोहरी प्रतिमाएं स्थापित

गढ़ानगर में ऐतिहासिक क्षण : नीरज नारद

जबलपुर। बड़ा जैन मंदिर गढ़ा में चल रहे युगल वेदी प्रतिष्ठा एवं कलशारोहण समारोह में आज बेदी शुद्धिकरण के बाद नवीन भव्य युगल वेदिका में नव प्रतिष्ठित 5 फीट ऊंची पद्मासन फणयुक्त 1008 श्री सांवरिया पार्श्वनाथ भगवान की अति आकर्षक मनोहरी प्रतिमाओं का मंगल विहार भव्य उच्चासन की ओर हुआ। मीडिया प्रभारी नीरज नारद ने बताया कि आज सभी प्रतिमाओं को विराजमान करने का शुभ अवसर आया है, श्री भक्तांबर मंडल विधान एवं सभी धार्मिक अनुष्ठानों की क्रियाएं संपूर्ण विधि-विधान से संपन्न होने के उपरांत यह इतिहास रचने की शुभ घड़ी आई है, जो पीढ़ियों तक स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगी एवं सदा-सदा के लिए यह क्षण अविस्मरणीय रहेंगे। बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य नरेश भैया के दिशा निर्देशन में शुभ मुहूर्त में 108 निर्दोष सागर महाराज, 108 निर्लोभ सागर महाराज, 108 निरुपम सागर महाराज के पावन सान्निध्य में रिद्धि-सिद्धि दायक मंत्रोचार के साथ ही विशाल पाषाण जिनबिम्ब फूल की तरह सदा के लिए सर्वोच्च आसन पर विराजित हो गए। इसके पूर्व नित्य कार्यक्रम में प्रातः अभिषेक पूजन एवं महाराज श्री के प्रवचन हुए जिसमें भारी संख्या में धर्मावलंबियों ने पुण्य लाभ लिया। कार्यक्रम में राजेश मोदी, बबलू भैया का भी विशेष सहयोग रहा।

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद का ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 31 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से रामपुर स्थित पाण्डुताल मैदान में किया गया है। इस शिविर में विद्युत कंपनियों के कार्मिकों के बच्चों के अलावा उनके आश्रित बच्चे भी भाग ले सकेंगे। शिविर में 13 खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पारम्परिक खेलों के अतिरिक्त शूटिंग व एरोबिक्स की प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव महासचिव एफके मेश्राम ने जानकारी दी है कि नगर के सबसे बड़े ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने वाले इस शिविर में बालक व बालिकाओं के लिए क्रिकेट, फुटबाल, हाकी, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, लान टेनिस (8 से 16 वर्ष), वालीबाल (10 से 16 वर्ष), शरीर सौष्ठव एवं फिजिकल फिटनेस (12 से 16 वर्ष), स्केटिंग (8 से 14 वर्ष) एवं मार्शल आर्ट ताईक्वान-डो (16 वर्ष आयु तक) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुश्ती में 8 से 16 वर्ष आयु तक के बालक वर्ग को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। शूटिंग प्रशिक्षण में 10 वर्ष से आयु से अधकि के बालक व बालिका और एरोबिक्स में 10 वर्ष से अधकि आयु की बालिकाएं प्रशक्षिण ले सकेंगी। शर्विर में योग का प्रशक्षिण देने की पृथक से व्यवस्था की गई है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के वरिष्ठ एवं अनुभवी प्रशिक्षक अपनी सेवायें देंगे। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के इच्छुक बच्चे निर्धारित प्रपत्र पाण्डुताल मैदान के निकट मशाल परिसर स्थित केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के कार्यालय से प्रातः 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक प्राप्त कर अपनी प्रविष्टि दे सकते हैं।

महाकौशल महाविद्यालय में साहित्यिक गरिमा के साथ हुआ पुस्तक विमोचन

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय, जबलपुर में पूर्व अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग प्रो. के.एल. जैन की द्वितीय पुस्तक "जीवन का सारांश" का गरिमामय विमोचन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रो. जैन ने अपने 42 वर्षों के समृद्ध प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अनुभव साझा करते हुए जीवन में सही निर्णय, मूल्यों की प्रासंगिकता और व्यक्तित्व निर्माण के महत्वपूर्ण आयामों पर विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. संतोष जाटव, पूर्व अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा एवं प्रो. पंजाबराव चंदेलकर, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग उपस्थित रहे। स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के संभागीय नोडल अधिकारी प्रो. अरुण शुक्ल की उपस्थिति रही। आयोजन में प्रो. सर्वेश ताम्रकार, डॉ. प्रतिभा कुमार, डॉ. समता नायडू, डॉ. पुष्पा तनेजा, डॉ. जागेश्वर प्रजापति, डॉ. रविश तमन्ना ताजिर एवं डॉ. ज्योति जुनगरे की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में शरद चंद पालन, डॉ. संध्या जैन (श्रुति), डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, पं. राजेश दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार राज सागरी, वरिष्ठ व्यंग्यकार सुरेश मिश्र 'विचित्र', डॉ. राजेश श्यामकुंवर, डॉ. शैलप्रभा कोष्टा, वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य उमाशंकर दुबे, अशोक जैन, राजेन्द्र मिश्र एवं चन्द्रकांत जैन की गरिमामय उपस्थिति रही। संध्या जैन एवं श्रुति द्वारा पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत की गई, जबकि राज सागरी एवं 'विचित्र' ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। मौलिक अमित जैन ने प्रभावशाली कविता पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति उकास, हिंदी विभाग द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. आनंद सिंह राणा ने किया। बड़ी संख्या में साहित्यकारों एवं प्राध्यापकों की उपस्थिति ने आयोजन को सफल बनाया।

सीता नवमी पर सिद्ध मंच गढ़ा में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न

जबलपुर। सिद्ध मंच गढ़ा रामलीला मैदान में शनिवार, 25 अप्रैल 2026 को सीता नवमी के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ, जिसमें सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया।

प्रातः 10 बजे से सीताराम सहस्त्र अर्चन एवं हवन-शांति कार्यक्रम का आयोजन परम पूज्य जगद्गुरु नरसिंहदेवाचार्य के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस पावन अनुष्ठान को पंडित धनेन्द्र तिवारी, संदीप तिवारी एवं आनंद मिश्रा ने विधि-विधान से संपन्न कराया। कार्यक्रम में समिति के संयोजक अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष राकेश पाठक, महामंत्री लोकराम कोरी, निर्देशक राजेश मिश्रा सहित राजेन्द्र प्यासी, उमाशंकर मिश्रा, केदारनाथ शर्मा, विजय नेमा, कैलाश नेमा, गणपत कैष्टा, देवेन्द्र मनोध्याय, अजय तिवारी, संजय नेमा, हनुमंत सिंह रघुवंशी, प्रमोद तिवारी, विद्या केवट एवं संजय तिवारी सहित समिति के समस्त पदाधिकारी, स्थायी एवं आजीवन सदस्य उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं ने माता सीता का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष

श्री बालकृष्ण गुप्ता का निधन

89 वर्षीय श्री बालकृष्ण गुप्ता का देहावसान 25 अप्रेल को दोपहर 2.30 बजे हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा मकान नंबर 430 सेक्टर-15 फरीदाबाद से अजरौंदा विश्राम घाट फरीदाबाद के लिए 26 अप्रेल को पूर्वान्ह 11 बजे प्रस्थान करेगी। श्री बालकृष्ण गुप्ता अपने पीछे कमल गुप्ता पत्नी, रजत गुप्ता पुत्र, संगीता गुप्ता पुत्रवधु, डॉ. रश्मि गुप्ता पुत्री तथा पोते-पोतियां धेवते, धेवतियां अनमोल गुप्ता, पलक गुप्ता, अक्षत गुप्ता, अंशिका गुप्ता, रिया गुप्ता, अबीर गुप्ता से भरापूरा परिवार छोड़ गए।

श्रीमती सुमित्रा प्रसाद- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री ध्रुव नारायण प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा प्रसाद (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संदीप कौर कोहली- जय भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री अंकुश कोहली की धर्मपत्नी श्रीमती संदीप कौर कोहली (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

सुश्री गुलाब बाई शुक्ला- निर्भय नगर अधारताल निवासी श्री सीताराम शुक्ला की पुत्री सुश्री गुलाब बाई शुक्ला (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लक्ष्मण दास मोटवानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लक्ष्मण दास मोटवानी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कमला पटेल- एमएलबी स्कूल के पीछे राइट टाउन निवासी श्री बाल किशन पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती कमला पटेल (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रितु ग्रोवर- इंद्रपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री सतीश चंद्र ग्रोवर की धर्मपत्नी श्रीमती रितु ग्रोवर (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कपिल सोनी- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री नारायण सोनी के पुत्र श्री कपिल सोनी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

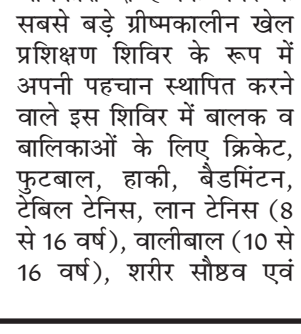

सुश्री ममता राय- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी श्री सत्य नारायण राय की पुत्री सुश्री ममता राय (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुशीला अहिरवार- रामपुर पानी की टंकी के पास निवासी श्री छोटे लाल अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला अहिरवार (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री असीम दुबे- शक्ति विहार कॉलोनी थाने के पीछे खमरिया निवासी श्री राम प्रकाश दुबे के पुत्र श्री असीम दुबे (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री तुलसीराम चौधरी- रानी दुर्गावती नगर फेस 2, तिलहरी निवासी श्री तुलसीराम चौधरी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

कु. खुशी अग्रवाल- हटा दमोह निवासी श्री पंकज अग्रवाल की पुत्री कु. खुशी अग्रवाल (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आदित्य नामदेव- किंग्सवे कैंट सदर निवासी श्री आशीष नामदेव के पुत्र श्री आदित्य नामदेव (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

हवन उपरांत भव्य महाआरती, दीपों की ज्योति और जयघोषों से गूंजा छोटा फुहारा

हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति, दिव्य माहौल में गूंजा "जय श्री राम", भक्ति, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम

जबलपुर। छोटा फुहारा स्थित सार्वजनिक शिव मंदिर, सूजी मोहल्ला में आयोजन समिति के संरक्षक एवं पूर्व महापौर प्रभात साहू के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित "श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव" के अंतर्गत हवन उपरांत सायंकाल भव्य महाआरती अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुई।

हवन पूर्णाहुति के पश्चात प्रारंभ हुई महाआरती में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को विशाल रूप प्रदान किया। दीपों की उज्जवल आभा, शंखनाद की गूंज और "जय श्री राम" के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर एवं आसपास का क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर भगवान श्री राम के समक्ष आराधना की और सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना की।

मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा एवं पुष्प सज्जा से विशेष रूप से सजाया गया था, जिसने आयोजन की दिव्यता को और अधिक बढ़ा दिया। भक्ति संगीत, मंत्रोच्चार एवं सामूहिक आरती ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति से अभिभूत कर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक विनय सक्सेना, भाजपा उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, श्रीराम शुक्ला, अतुल नरेश बाजपेई, डॉ. दीपक साहू, सविता साहू, अमित राय, वीरेंद्र साहू, साहिल यादव, पंकज राय, शिवराम बैन सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने भगवान श्री राम के दरबार में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रवीण साहू ने बताया कि श्रद्धालुओं के उत्साह एवं सहयोग से महाआरती भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों एवं रामभक्तों का आभार व्यक्त करते हुए महोत्सव के अंतिम दिवस आयोजित होने वाले प्रसाद वितरण एवं समापन कार्यक्रम में भी अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की। उल्लेखनीय है कि यह चार दिवसीय "श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव" क्षेत्र में धार्मिक जागरण एवं सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर सविता साहू, प्रणव साहू, विप्लव साहू, वेदांत साहू, रुद्रांश साहू, महेंद्र रैकवार, राकेश चौरसिया, राजेश कोष्ठा, रोहित जायसवाल, अभिनन्दन जायसवाल, यश साहू, राजा कोष्ठा, सेलू कोष्ठा, राजेश जायसवाल एवं राहुल जायसवाल सहित बड़ी संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

सोना-चांदी या मल्टी-एसेट फंड? निवेश से पहले जानें पूरा गणित

- उच्च रिटर्न के लालच में न करें गलती, जोखिम और रिटर्न का संतुलन ही समझदारी
- बाजार की चाल, जोखिम और लक्ष्य के हिसाब से चुनें सही विकल्प, वरना होगा नुकसान
- गोल्ड ईटीएफ, कमोडिटी फंड और मल्टी-एसेट फंड के फर्क को समझना गेहद जरूरी
- कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते
- ये उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी

शेयर बाजार और फिक्स्ड डिपॉजिट से आगे बढ़ते हुए अब निवेशक सोना, चांदी, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड और अन्य कमोडिटी विकल्पों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। महंगाई, वैश्विक अनिश्चितता और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ये एसेट क्लास पोर्टफोलियो को संतुलन देने का काम करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब निवेशक अलग-अलग विकल्पों कमोडिटी फंड, गोल्ड-सिल्वर ईटीएएफ और मल्टी-एसेट फंड को एक जैसा मान लेते हैं। यही भ्रम कई बार गलत निवेश फैसलों और नुकसान की वजह बनता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी होती हैं। यानी इनका प्रदर्शन केवल कमोडिटी की कीमत पर नहीं, बल्कि उन कंपनियों के बिजनेस, मैनेजमेंट और मार्केट कंडीशन पर भी निर्भर करता है। इस कारण ये फंड तकनीकी रूप से इक्विटी फंड की श्रेणी में आते हैं और इनमें जोखिम भी उसी के अनुरूप अधिक होता है।

कमोडिटी फंड : हाई रिस्क, साइकिल पर निर्भर रिटर्न

कमोडिटी फंड्स का प्रदर्शन "कमोडिटी साइकिल" पर आधारित होता है। जब मेटल या एनर्जी सेक्टर में तेजी आती है, तो ये फंड अच्छा रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन गिरावट के समय इनका प्रदर्शन तेजी से नीचे भी आ सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ इन्हें लॉन्ग टर्म कोर इन्वेस्टमेंट के रूप में नहीं देखते। आमतौर पर 1 से 3 साल के लिए, किसी खास सेक्टर में तेजी का फायदा उठाने के लिए ही इनका उपयोग किया जाता है। निवेश सलाहकारों के अनुसार, पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 5% से 10% से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अधिक निवेश जोखिम को बढ़ा सकता है। साथ ही, इनमें निवेश करने से पहले बाजार की स्थिति और सेक्टर ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएएफ कीमत से जुड़ा निवेश

अगर आपका उद्देश्य सीधे सोने या चांदी की कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ उठाना है, तो गोल्ड ईटीएएफ और सिल्वर ईटीएएफ बेहतर विकल्प हैं। ये फंड फिजिकल गोल्ड या सिल्वर की कीमत को ट्रैक करते हैं, यानी इनका रिटर्न सीधे धातु की कीमत पर निर्भर करता है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको फिजिकल गोल्ड खरीदने, स्टोर करने या उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ती। साथ ही, इनकी पारदर्शिता और लिक्विडिटी भी अधिक होती है, क्योंकि इन्हें शेयर बाजार में आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है। हालांकि, इनका रिटर्न आमतौर पर स्थिर और सीमित होता है। ये तेजी से मल्टीबैगर रिटर्न देने के बजाय पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का काम करते हैं। इसलिए इन्हें "सेफ हेवन" या हेजिंग टूल के रूप में देखा जाता है।

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड : संतुलित निवेश का विकल्प

दूसरी ओर, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो एक ही निवेश में विविधता (डाइवर्सिफिकेशन) चाहते हैं। ये फंड इक्विटी, डेट और कमोडिटी तीनों एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक एसेट क्लास कमजोर प्रदर्शन करता है, तो दूसरा उसे संतुलित कर देता है। उदाहरण के लिए, शेयर बाजार में गिरावट के दौरान सोना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, जिससे कुल पोर्टफोलियो पर असर कम होता है।

पिछले आंकड़ों पर न जाएं

बाजार में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे कई कमोडिटी या मल्टी-एसेट फंड्स उपलब्ध हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में 20-22% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला लेना गलत हो सकता है। कमोडिटी सेक्टर स्वभाव से ही अस्थिर होता है। इसलिए इसमें औसतन 10-12% सीएजीआर की उम्मीद रखना ज्यादा व्यावहारिक है।

समझदारी से करें संतुलन

निवेश का कोई एक "सही" विकल्प नहीं होता। यह पूरी तरह आपके लक्ष्य, जोखिम क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। गोल्ड ईटीएफ और मल्टी-एसेट फंड्स आम निवेशकों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं, जबकि कमोडिटी फंड्स केवल समझदार और अनुभवी निवेशकों के लिए ही उपयुक्त हैं। अंततः, एक संतुलित पोर्टफोलियो ही लंबे समय में बेहतर रिटर्न और कम जोखिम सुनिश्चित करता है। इसलिए निवेश से पहले जरूरतें समझें, जल्दबाजी से बचें और जहां जरूरी हो, वित्तीय सलाहकार की मदद लें ताकि आपका पैसा सही दिशा में काम कर सके।

स्मॉलकैप एक माह में 10% उछला

जोखिम भी उतना ही बढ़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पिछले एक महीने में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। औसतन 10% तक का रिटर्न देकर इस सेगमेंट ने लार्ज और मिडकैप फंड्स को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है क्या यह तेजी लंबे समय के बुल रन की शुरुआत है या फिर यह सिर्फ गिरावट के बाद आई एक अस्थायी रिकवरी? विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी को समझदारी से देखना जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान भी करा सकता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने पिछले एक महीने में औसतन करीब 10% रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स ने तो इससे भी ज्यादा प्रदर्शन किया है, जिससे निवेशकों का भरोसा इस सेगमेंट में फिर से बढ़ा है। हालांकि, सभी फंड्स का प्रदर्शन एक जैसा नहीं रहा। जहां कुछ फंड्स ने दो अंकों का रिटर्न दिया, वहीं कुछ ने नेगेटिव रिटर्न भी दिखाया। इससे साफ है कि यह तेजी पूरे सेगमेंट में समान रूप से नहीं फैली है।

तेजी की वजहः लिक्विडिटी और एसआईपी का सहारा

विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉलकैप फंड्स में आई इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। बाजार में बढ़ती लिक्विडिटी, निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में सुधार और लगातार आने वाला एसआईपी निवेश इस उछाल को सपोर्ट कर रहा है। जब बाजार में नकदी ज्यादा होती है, तो उसका असर छोटे शेयरों पर जल्दी दिखाई देता है। इसी वजह से स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अक्सर तेज और अचानक होती है।

क्या यह स्थायी बुल रन है या शॉर्ट टर्म रिकवरी?

यहीं सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल यह तेजी एक शॉर्ट टर्म रिकवरी ज्यादा लगती है, न कि लंबी अवधि की स्थायी तेजी। स्मॉलकैप सेगमेंट में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। गिरावट के बाद तेज उछाल आना आम बात है। इसलिए केवल एक महीने के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेना जोखिम भरा हो सकता है।

वैल्यूएशन बनी चिंता

हालिया तेजी के बाद स्मॉलकैप शेयरों की वैल्यूएशन फिर से ऊंची नजर आने लगी है। उदाहरण के तौर पर, निफ्टी स्मॉलकैप 100 का फॉरवर्ड पी/ई अपने लंबे औसत से ऊपर चल रहा है। इसका मतलब है कि शेयरों की कीमतें उनकी कमाई के मुकाबले ज्यादा हो चुकी हैं। ऐसे में आगे रिटर्न सीमित हो सकता है या फिर बाजार में करेक्शन देखने को मिल सकता है।

हर निवेशक के लिए सही नहीं

स्मॉलकैप फंड्स हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं। इनमें तेजी के साथ-साथ गिरावट भी उतनी ही तेज होती है। इसलिए यह हर निवेशक के लिए उपयुक्त नहीं हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर आपका निवेश समय 7 से 10 साल या उससे ज्यादा है, तभी इस सेगमेंट में निवेश करना चाहिए।

एसआईपी और एसटीपी से एंट्री

स्मॉलकैप में एकमुश्त निवेश करने के बजाय एसआईपी या एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और आप अलग-अलग स्तरों पर निवेश कर पाते हैं, जिससे औसत लागत संतुलित रहती है।

पोर्टफोलियो में सीमित हिस्सा

एक संतुलित निवेश रणनीति के तहत स्मॉलकैप फंड्स का हिस्सा पोर्टफोलियो में सीमित रखना चाहिए। आमतौर पर 10% से 20% तक का एक्सपोजर पर्याप्त माना जाता है, जो जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन बनाए रखता है। इसके अलावा, फ्लेक्सी कैप और मल्टीकैप फंड्स जैसे विकल्प भी बेहतर संतुलन प्रदान कर सकते हैं।

पीछे भागना क्यों खतरनाक

अक्सर निवेशक हालिया प्रदर्शन देखकर आकर्षित हो जाते हैं और तेजी से निवेश कर देते हैं। लेकिन 10% जैसे अल्पकालिक रिटर्न का पीछा करना सही रणनीति नहीं है। बाजार में ऐसे मूवमेंट अस्थायी होते हैं और समय के साथ संतुलित हो जाते हैं। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश करना नुकसान का कारण बन सकता है।

अवसर है, पर अलर्ट रहें

स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी निश्चित रूप से ध्यान देने योग्य है, लेकिन इसे "पैसे छापने का मौका" मानना जल्दबाजी होगी। लंबी अवधि के निवेशक एसआईपी के जरिए इसमें धीरे-धीरे निवेश कर सकते हैं, लेकिन पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

एमएफ के नाम में छिपा पूरा खेल : 'डायरेक्ट रेगूलर और ग्रोथ' का सही मतलब समझें

म्यूचुअल फंड में निवेश करना आजकल बहुत आसान हो गया है, लेकिन सही फंड का चुनाव करना आज भी कई लोगों के लिए बड़ी चुनौती है। बता दें कि जब आप किसी ऐप या वेबसाइट पर फंड सर्च करते हैं, तो एक ही नाम के कई ऑप्शन नजर आते हैं। दरअसल, इन नामों में निवेश की पूरी रणनीति छिपी होती है। अगर आप इन बेसिक शब्दों का मतलब समझ लेते हैं, तो आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार सही फंड का चुनाव कर सकते हैं।

निवेश की कैटेगरी को पहचानें

म्यूचुअल फंड के नाम की शुरुआत एएमसी से होती है, जैसे एसबीआई, अक्षम या आईसीआईसीआई प्रूडेंटियल। यह वो संस्था है जो आपके पैसे को मैनेज करती है। नाम के अगले हिस्से में फंड की कैटेगरी होती है। जैसे लार्ज कैप का अर्थ है कि पैसा देश की टॉप 100 सुरक्षित कंपनियों में लगेगा। वहीं, स्मॉल कैप या मिड कैप में पैसा उन कंपनियों में लगाया जाता है जो तेजी से बढ़ रही हैं, हालांकि इनमें जोखिम थोड़ा ज्यादा होता है।

खर्च और मुनाफे का अंतर

फंड के नाम में डायरेक्ट और रेगूलर सबसे अहम शब्द हैं। डायरेक्ट का मतलब है कि आप सीधे फंड हाउस के साथ निवेश कर रहे हैं। इसमें कोई एजेंट नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम होता है और आपका मुनाफा बढ़ जाता है। इसके विपरीत, रेगूलर प्लान किसी बैंक या ब्रोकर के जरिए लिया जाता है, जहां आपको दी जाने वाली सुविधाओं के बदले कंपनी एजेंट को कमीशन देती है, जिससे आपका शुद्ध मुनाफा थोड़ा कम हो जाता है।

रिटर्न पाने का तरीका चुनें

नाम के आखिरी हिस्से में आपको ग्रोथ या आईडीडब्ल्यूसी लिखा मिलेगा। बता दें कि अगर आप लंबे समय के लिए पैसा जोड़ना चाहते हैं, ग्रोथ ऑप्शन चुनें क्योंकि इसमें मुनाफे पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपको निवेश के बीच-बीच में कुछ कमाई मिलती रहे, तो आईडीडब्ल्यूसी प्लान लिया जा सकता है।

स्मार्ट निवेशक बनने के लिए जरूरी टिप्स

म्यूचुअल फंड चुनते समय सिर्फ पिछले रिटर्न को ना देखें, बल्कि इन चारों यानी एएमसी, कैटेगरी, प्लान टाइप और रिटर्न मोड को परखें। अपनी रिस्क लेने की क्षमता और समय सीमा के आधार पर ही सही ऑप्शन का चुनाव करें। हमेशा कोशिश करें कि डायरेक्ट और ग्रोथ ऑप्सशन पर गौर करें जिससे लंबी समय में आपकी जमा पूंजी पर कमीशन का बोझ न पड़े और आपको अधिकतम लाभ मिल सके। म्यूचुअल फंड का नाम भले ही जटिल लगे, लेकिन इसमें निवेश का पूरा ब्लूप्रिंट छिपा होता है। म्यूचुअल फंड में सफल होने के लिए जरूरी है कि आप इन बुनियादी शब्दों को समझें और सोच-समझकर फैसला लें। सही जानकारी के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में संपत्ति निर्माण का मजबूत आधार बनता है।

बिजनेस डेस्क

अब आईटीआर में गलती की तो पड़ सकती है भारी

गलत इनकम बताई तो 200% तक जुर्माना

- छोटी चूक भी बन सकती है बड़ी सजा का कारण
- जानबूझकर जानकारी छिपाने पर दोगुना तक जुर्माना
- लेट फाइलिंग व दस्तावेजों में कमी पर भी कड़ा प्रावधान

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न यानी आईटीआर भरना अब केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह जिम्मेदारी और सतर्कता का काम बन चुका है। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026–27 के लिए नया पेनल्टी फ्रेमवर्क लागू किया है, जिसमें गलत जानकारी देने वाले टैक्सपेयर्स पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस नए सिस्टम का मकसद साफ है। टैक्स अनुपालन को सख्ती से लागू करना और किसी भी तरह की लापरवाही या हेरफेर को हतोत्साहित करना।

गलत इनकम दिखाना पड़ सकता है भारी

नए नियमों के तहत यदि कोई टैक्सपेयर्स अपनी वास्तविक आय से कम इनकम दिखाता है, तो उसे देय टैक्स पर 50 प्रतिशत तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह जुर्माना उन मामलों में लागू होता है जहां गलती को अनजाने में हुई चूक माना जाता है। लेकिन अगर जांच में यह साबित हो जाता है कि इनकम को जानबूझकर छिपाया गया है या गलत जानकारी दी गई है, तो सजा और भी कड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों में पेनल्टी बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक की जा सकती है। यानी जितना टैक्स बचाने की कोशिश की गई, उसका दोगुना तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

जानबूझकर गलती और सामान्य चूक में फर्क

सरकार ने इस बार नियमों में यह स्पष्ट किया है कि जानबूझकर की गई गलती और सामान्य त्रुटि में अंतर किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने भूलवश कोई इनकम जोड़ना रह गया, तो उसे उतनी सख्ती से नहीं देखा जाएगा जितना कि किसी ऐसे मामले को जहां दस्तावेज छिपाए गए हों या फर्जी एंट्री की गई हो। यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ईमानदार टैक्सपेयर्स को राहत मिलती है, जबकि धोखाधड़ी करने वालों पर सख्ती बढ़ती है।

लेट आईटीआर पर भी सख्त नियम

समय पर आईटीआर फाइल न करने पर भी अब जुर्माने का प्रावधान पहले से स्पष्ट और कड़ा कर दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति तय समय सीमा के बाद आईटीआर भरता है, तो उसे अधिकतम 5000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। हालांकि, जिन टैक्सपेयर्स की सालाना आय 5 लाख रुपये तक है, उनके लिए राहत देते हुए जुर्माना 1000 रुपये तक सीमित रखा गया है। इसका उद्देश्य छोटे करदाताओं को अनावश्यक बोझ से बचाना है, लेकिन समय पर फाइलिंग की जिम्मेदारी से छूट नहीं दी गई है।

टीडीएस और अन्य दस्तावेजों में देरी भी महंगी

सिर्फ आईटीआर ही नहीं, बल्कि टीडीएस और अन्य जरूरी स्टेटमेंट समय पर जमा न करने पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जा सकता है, जो समय के साथ बड़ी राशि में बदल सकता है। इससे साफ है कि टैक्स सिस्टम अब पूरी तरह समयबद्ध और अनुशासित हो चुका है, जहां हर देरी की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

टैक्स बकाया रखने पर भी कार्रवाई

यदि कोई व्यक्ति अपना सेल्फ-असेसमेंट टैक्स समय पर नहीं चुकाता है, तो उस पर भी पेनल्टी लग सकती है। यह पेनल्टी असेसिंग ऑफिसर द्वारा तय की जाती है और कई मामलों में बकाया टैक्स के बराबर तक हो सकती है। गंभीर मामलों में, खासकर जब जांच के दौरान छिपी हुई आय सामने आती है, तो 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि गलती कितनी गंभीर है और उसे कब उजागर किया गया।

अन्य उल्लंघनों पर कड़ी नजर

नए नियम केवल इनकम छिपाने तक सीमित नहीं हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने अकाउंट बुक्स ठीक से नहीं रखता, जरूरी ऑडिट नहीं कराता, दस्तावेज समय पर जमा नहीं करता या कैश ट्रांजैक्शन के नियमों का उल्लंघन करता है, तो उस पर भी जुर्माना लगाया जा सकता है। कुछ मामलों में यह जुर्माना लेन-देन की पूरी राशि के बराबर तक हो सकता है, जो किसी भी व्यवसाय या व्यक्ति के लिए बड़ा वित्तीय झटका साबित हो सकता है।

राहत के प्रावधान भी मौजूद

हालांकि सख्ती के बीच सरकार ने कुछ राहत के विकल्प भी दिए हैं। यदि कोई टैक्सपेयर्स यह साबित कर देता है कि उससे हुई गलती किसी वाजिब कारण से हुई थी, जैसे तकनीकी समस्या या वास्तविक भूल, तो उस पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी। इसके अलावा, कुछ मामलों में अपील और स्पष्टीकरण के आधार पर भी जुर्माने में राहत मिल सकती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ईमानदार करदाता अनावश्यक रूप से परेशान न हों।

सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा तरीका

इन नए नियमों के बाद यह साफ हो गया है कि आईटीआर भरते समय लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर जानकारी को सही दस्तावेजों के साथ जांचकर ही भरना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि टैक्स फाइलिंग को लेकर किसी भी तरह का संदेह हो, तो पेशेवर सलाह लेना बेहतर है। छोटी सी गलती भी बड़े जुर्माने में बदल सकती है, इसलिए सतर्क रहना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश

नए पेनल्टी नियम यह संकेत देते हैं कि टैक्स सिस्टम अब ज्यादा पारदर्शी और सख्त हो चुका है। आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश है ईमानदारी से टैक्स भरें या भारी जुर्माने के लिए तैयार रहें। ऐसे में समझदारी इसी में है कि जल्दबाजी या लापरवाही से बचते हुए पूरी सावधानी के साथ आईटीआर फाइल किया जाए, क्योंकि अब छोटी गलती भी बड़ी सजा में बदल सकती है।

25,000 की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड ही काफी

छोटी एसआईपी में बंटवारे से कंपाउंडिंग पर पड़ता है असर

म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में भीड़ बढ़ाना पड़ सकता है भारी, घट सकता है रिटर्न

बिजनेस डेस्क

अक्सर निवेशक यह मान लेते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाने से जोखिम कम हो जाता है और रिटर्न बेहतर मिलता है। इसी सोच के चलते कई लोग 10 से 12 या उससे भी ज्यादा फंड्स में एसआईपी शुरू कर देते हैं। लेकिन हकीकत इससे उलट है। जरूरत से ज्यादा फंड्स रखने से न तो जोखिम कम होता है और न ही रिटर्न बढ़ता है, बल्कि आपका पोर्टफोलियो उलझ जाता है और मुनाफा कम हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी मासिक एसआईपी 25,000 रुपये के आसपास है, तो 3 से 5 अच्छे फंड्स का चयन ही बेहतर रणनीति मानी जाती है।

ज्यादा फंड्स रखना क्यों नुकसान का सौदा

म्यूचुअल फंड निवेश का मूल सिद्धांत है। विविधता, लेकिन कई निवेशक इस सिद्धांत को गलत तरीके से समझ लेते हैं। वे सोचते हैं कि अलग-अलग (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) के ज्यादा फंड्स खरीदना ही विविधता है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर आपके पास 10–12 फंड्स हैं, तो संभव है कि उनमें से कई एक ही सेक्टर या एक जैसे शेयरों में निवेश कर रहे हों। ऐसे में आपका पोर्टफोलियो देखने में तो बड़ा लगता है, लेकिन असल में वह विविध नहीं होता। विशेषज्ञ मानते हैं कि सीमित और चुने हुए फंड्स के जरिए बेहतर नियंत्रण और संतुलन बनाना ज्यादा आसान होता है। इससे निवेश की दिशा स्पष्ट रहती है और अनावश्यक जटिलता से बचाव होता है।

अलग नाम, लेकिन निवेश वही

जब आप कई फंड्स में निवेश करते हैं, तो एक बड़ी समस्या होती है—पोर्टफोलियो ओवरलैप। मान लीजिए आपने दो या तीन लार्ज-कैप फंड्स ले रखे हैं। इनमें से हर फंड में रिलायंस, इन्फोसिस या एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयर टॉप होल्डिंग में हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अलग-अलग फंड्स के जरिए एक ही कंपनियों में बार-बार निवेश कर रहे हैं।

इससे दो नुकसान होते हैं

जोखिम कम होने की बजाय बढ़ सकता है, क्योंकि बाजार गिरने पर सभी फंड्स एक साथ प्रभावित होते हैं। आप हर फंड का अलग-अलग एक्सपेंस रेशियो (खर्च) भी देते हैं, जिससे कुल रिटर्न घटता है। इस तरह, ज्यादा फंड्स रखने से निवेश में विविधता का भ्रम तो बनता है, लेकिन असल फायदा नहीं मिलता।

छोटी एसआईपी से कंपाउंडिंग कमजोर

यदि 25,000 की मासिक एसआईपी को आप 8 या 10 फंड्स में बांटते हैं, तो हर फंड में बहुत कम राशि जाती है। उदाहरण के तौर पर 8 फंड्स में निवेश करने पर हर फंड में सिर्फ 3,125 ही जाएंगे। इतनी छोटी राशि में कंपाउंडिंग का प्रभाव कमजोर पड़ जाता है। लंबे समय में बड़ा कॉर्पस बनाने के लिए जरूरी है कि हर फंड में पर्याप्त निवेश हो, ताकि उसका ग्रोथ प्रभावी तरीके से दिखाई दे। अगर यही 25,000 रुपये आप 3 या 4 फंड्स में लगाते हैं, तो हर फंड में 6,000 से 8,000 रुपये तक का निवेश होगा, जिससे रिटर्न बेहतर तरीके से बढ़ सकता है।

ट्रैकिंग और मैनेजमेंट बन जाता है मुश्किल

ज्यादा फंड्स का एक और बड़ा नुकसान है—उन्हें ट्रैक करना कठिन हो जाता है। हर फंड का प्रदर्शन अलग होता है। कुछ अच्छा रिटर्न देते हैं, तो कुछ कमजोर प्रदर्शन करते हैं। अगर आपके पास बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा फंड अच्छा कर रहा है और किसे बदलने की जरूरत है। इसके अलावा, कमजोर फंड्स आपके पूरे पोर्टफोलियो के रिटर्न को नीचे खींच लेते हैं। इसे "डाइल्यूशन" कहा जाता है। यानी अच्छे फंड्स का फायदा भी पूरी तरह नहीं मिल पाता।

आदर्श पोर्टफोलियो कैसा हो

विशेषज्ञों के अनुसार 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड्स का पोर्टफोलियो पर्याप्त होता है। इससे निवेश में संतुलन बना रहता है और जोखिम भी नियंत्रित रहता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो के लिए आप इन कैटेगरी पर विचार कर सकते हैं।

- लार्ज-कैप या इंडेक्स फंड
  स्थिरता के लिए
- लार्ज एंड मिड-कैप फंड
  ग्रोथ और स्थिरता का मिश्रण
- मल्टी-कैप या फ्लेक्सी-कैप फंड
  अलग-अलग मार्केट कैप में निवेश
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
  इक्विटी और डेट का संतुलन
- ईएलएसएस फंड (टैक्स सेविंग)
  टैक्स बचत के साथ निवेश
- हर निवेशक अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय अवधि के अनुसार इन कैटेगरी में 3–5 फंड्स चुन सकता है।

कैसे सुधारें अपना मौजूदा पोर्टफोलियो

अगर आपके पोर्टफोलियो में पहले से ही बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप इसे धीरे-धीरे सुधार सकते हैं। सबसे पहले, ओवरलैप चेक करें। इसके लिए कई ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध हैं, जो बताते हैं कि आपके फंड्स में कितनी समानता है। इसके बाद उन फंड्स को पहचानें जो लगातार 2–3 साल से अपने बेंचमार्क से कमजोर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे फंड्स को धीरे-धीरे बाहर निकालें। ध्यान रखें कि एक ही कैटेगरी के कई फंड्स रखने से बचें। हर कैटेगरी से एक अच्छा और भरोसेमंद फंड चुनना बेहतर होता है। साथ ही, पोर्टफोलियो में बदलाव एकदम से न करें, बल्कि चरणबद्ध तरीके से करें ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम पड़े।

विविधता का सही मतलब समझें

असली विविधता का मतलब यह नहीं है कि आप ज्यादा से ज्यादा फंड्स खरीद लें। बल्कि इसका मतलब है कि आप अलग-अलग एसेट क्लास और कैटेगरी में निवेश करें। अगर आपने अलग-अलग कैटेगरी के 3–5 फंड्स चुने हैं, तो यह पर्याप्त विविधता देता है। इसके विपरीत, एक ही कैटेगरी के 8–10 फंड्स रखना सिर्फ जटिलता बढ़ाता है। इसलिए निवेश करते समय "कम लेकिन बेहतर" की रणनीति अपनाना ज्यादा समझदारी भरा कदम है।

यह रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड निवेश में संख्या नहीं, गुणवत्ता मायने रखती है। ज्यादा फंड्स रखने से पोर्टफोलियो मजबूत नहीं होता, बल्कि उलझन बढ़ती है और रिटर्न पर असर पड़ता है। 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 अच्छी तरह चुने गए फंड्स ही पर्याप्त हैं। इससे न केवल कंपाउंडिंग का फायदा बेहतर मिलता है, बल्कि निवेश को समझना और मैनेज करना भी आसान रहता है। अंततः, सफल निवेश वही है जो सरल, संतुलित और आपके लक्ष्यों के अनुरूप हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जनगोष्ठी संपन्न

हम संगठित रहें इसलिए संघ की स्थापना हुई संघ की कार्य पद्धति प्रचार प्रसार की नहीं

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन संस्कृतिक थिएटर कल्चरल स्ट्रीट भंवरताल जबलपुर में 25 अप्रैल 2026 शनिवार शाम 5:30 बजे किया गया। जबलपुर के स्कूल, कोचिंग संचालक, अध्यापक व मीडिया श्रेणी के प्रमुख जन इसमें आमंत्रित रहे। मुख्य अतिथि रजनीश कुमार सिंघाई केंद्रीय विद्यालय जीसीएफ-1 के प्राध्यापक ने अपने उद्बोधन में बच्चों के मन में देशप्रेम जाग्रत करने का ऊर्जावान विचार रखा। डॉ. प्रदीप दुबे प्रांत संघचालक, महाकौशल प्रांत का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. संजय पाठक अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षण मंडल ने अपने बौद्धिक उद्बोधन में संघ शताब्दी वर्ष में हिंदू सम्मेलन व प्रमुख जन गोष्ठी के आयोजन का औचित्य बताया कि संघ को लेकर समाज के मन में जिज्ञासा व भ्रांतियां हैं, उन भ्रांतियों को दूर करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित है। 100 वर्षों में एक शाखा से आज नित्य 60 हजार से अधिक शाखाएं लगती हैं। हम संगठित रहें इसलिए संघ की स्थापना हुई। संघ की कार्य पद्धति प्रचार प्रसार की नहीं है, स्वयंसेवकों की संख्या लगातार बढ़ने के डर से कुछ राजनीतिक दल झूठे नरेटिव लाने के कारणवश भी समाज में संघ को लेकर भ्रांतियां हैं जिनको अब दूर करने संघ को समाज के बीच समझाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बिना डॉ. हेडगेवार को जाने आप संघ को नहीं जान पाएंगे, क्योंकि उनकी संरचना से ही संघ बना। डॉ. हेडगेवार के बचपन के देशभक्ति के विचार बताये गए, डॉ. हेडगेवार का विचार था कि बाहरी आक्रांताओं से देश की हार का कारण असंगठित समाज ही है और इसी विचार के साथ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की।

संघ हिंदुओं का संगठन करता है, हिंदू धर्म एक जीवन पद्धति है जो समाज केंद्रित है ईश्वर केंद्रित नहीं जिसे वेद व कठोपनिषद के उदाहरण देकर समझाया।

राजा हरिसिंह से 'गुरुजी' संघ के दूसरे संघचालक, सरदार पटेल के साथ मिले उसके अगले दिन कश्मीर का भारत में विलय हुआ। स्वयंसेवकों ने देश की हर विपदा में सहायता की है व संघ हर हिंदू को संघमय बनाना चाहता है, संगठित करना चाहता है, संकोच व अहंकार को तोड़ना व राष्ट्र कार्य से जोड़ना चाहता है। हर व्यक्ति को देश के लिए समय निकालना ही चाहिए, परेशानियां तो आती जाती रहेंगी ही जीवन में, पर उसमें ही समय निकालना होगा।

समापन में शेर-लोमड़ी और गधे की कहानी से सेकुलर हिंदुओं को समझाने का प्रयास किया गया कि इतनी बड़ी-बड़ी घटनाओं के बाद भी नहीं समझे तो कब समझेंगे? प्रश्नोत्तर में सवालों के उत्तर दिए गए, जैसे प्रश्न- हिंदू संगठन में युवाओं को कैसे जोड़ें में उत्तर दिया गया कि समय से साथ होगा बहुत जल्दी मैकाले पद्धति नहीं जाएगी। प्रश्न- पाठ्यक्रम सुधार, उत्तर- शोध हो रहे हैं व साहित्य स्थानीय भाषाओं में किया जा रहा है।

तहसील कार्यालय में हुई बैठक

किसानों की समस्या का तत्काल होगा निराकरणः परस्ते

सिहोरा-तहसील कार्यालय के सभागार में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती ज्योती परस्ते की अध्यक्षता में किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रमेश पटेल के नेतृत्व में किसानों की बैठक का आयोजन किया गया इसमें किसानों ने खेतों की बिजली खाद,उपार्जन को लेकर हो रही दिक्कत से अधिकारी को अवगत कराया बैठक में विद्युत, कृषि उपार्जन से संबंधित अधिकारियों ने किसानों की समस्या सुनने के बाद त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया.

झूलती विद्युत लाइन का खामियाजा उठा रहा किसान

बैठक में सर्वाधिक आक्रोश किसानों ने विद्युत वितरण व्यवस्था के प्रति व्यक्ति करते हुऐ कहा कि घोषित के साथ की जाने वाली अघोषित विद्युत कटौती के चलते किसानों को आठ घण्टे भी बिजली नहीं मिल पा रही है मेंटेनेंस के नाम पर विभाग केवल पेड़ों की डालियां वो भी किसानों की मदद से काटकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेता है जबकी झूलती विद्युत लाइनों का रखरखाव न किये जाने से किसानों को गुणवत्तायुक्त विद्युत तो प्राप्त हो ही नहीं रही साथ ही झूलती लाईन दुर्घटना को अंजाम दे रही है इसी प्रकार ओवर लोड ट्रांसफार्मर का भी विभाग द्वारा कोई निराकरण नहीं किया जा रहा।किसानों की समस्या का शीघ्र निराकरण का आश्वाशन अधिकारियों द्वारा दिया गया।

खाद के संकट से कब मिलेगी निजात

राजस्व एंव कृषि विभाग के पास बोनी के रकवे के साथ किसानों की सारी जानकारी उपलब्ध होने के वावजूद प्रतिवर्ष किसानों को खाद के संकट से जुझना पड़ता है जबकि प्रशासन चाह ले तो पहले से खाद की व्यवस्था कर सकता है किसानों की समस्या का निराकरण करते हुऐ वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एस राठौर ने बताया की वर्तमान में शासन द्वारा प्रति एकड़ एक बोरी डीएपी तथा दो बोरी यूरिया का प्रावधान रखा है इसके साथ ही एक माह में एक किसान को अधिकतम पचास बेग वितरण का प्रावधान रखा है आगे भी शाशन से प्राप्त निर्देशों के तहत किसानो की समस्या का निराकरण किया जायेगा।

गेहूं उपार्जन बने लूट का जरिया

किसानों की आय बढ़ाने वाली गई उपार्जन निति लूट का जरिया बन गई है। गेहूं उपार्जन केन्द्रों में अधिक तौल के साथ गिनती पल्लेदारी के पैसे किसानो को पल्ले से जा रहे हैं।बडे किसानों के स्लाट बुकिंग बिलिंग में सर्वर की गंभीर समस्या से किसानों को जुझना पड़ रहा है।कनिष्ठ आपूर्ती अधिकारी ने बताया की सिहोरा मझौली में 10 तथा सिहोरा में 11 उपार्जन केंद्र बनाये गये है।सर्वर की समस्या के कारण स्लाट बुकिंग एंव बिलिंग की समस्या आ रही है शनिवार की शाम सात बजे से दो हैक्टेयर से बडे किसानों की भी स्लाट बुकिंग चालू हो गई है तौल में कटौती और अवैध वसूली के आरोप लगाते हुए किसानों ने आक्रोश व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

बैठक में किसान विनय पटेल,अनिल पटेल, चंद्रजीत पटेल,सुरेंद्र पटेल,जितेंद्र पटेल,लक्ष्मी पटेल,ओम प्रकाश पटेल,वीरेंद्र पटेल और श्याम यादव,बंटी ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

सीएम राइज स्कूल में तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

जनगणना अधिकारी ने प्रगणकों, पर्यवेक्षकों को बारीकियों से कराया अवगत

सिहोरा। सीएम राइज पंडित विष्णु दत्त स्कुल में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षको का तीन दिवसीय प्रशिक्षण रूपेश्वरी कुंजाम तहसीलदार सिहोरा के निर्देशन में आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में 239 प्रगणक एवं 38 सुपरवाइजरों ने भाग लिया गया। फील्ड ट्रेनर प्राचार्य अशोक उपाध्याय, बी.एस.परस्ते,जे.एल.खाण्डे, जगदीश बागरी एवं बी एल बागरी के द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को डेटा संकलन की प्रक्रियाओं और फील्ड में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया गया आगे कहा हम स्वतंत्र भारत की आठवीं जनगणना करने जा रहे है भारत सरकार ने हमें इस कार्य के लिए चुना गया है साथ ही हम अपना कार्य पूरी ईमानदारी से करेंगे इससे प्राप्त आकड़ों से देश की सरकार को विभिन्न वर्ग और क्षेत्र के लिए योजना बनाने में मदद मिलेगी। त्रिस्तरीय प्रशिक्षण का समापन चार्ज अधिकारी रूपेश्वरी कुंजाम ने कहा मकानों की गणना करने के साथ अगर इस कार्य कोई भी समस्या आती है तो तत्काल अवगत कराये जिसका निराकरण करने करने की पूर्ण कोशिश की जायेगी तथा फील्ड ट्रनरों का जनगणना चार्ज अधिकारी ने फूल मालाओं से स्वागत किया तथा प्रशिक्षण में प्रगणको एव पर्यवेक्षको को जनगणना की एक-एक बारीकियों से अवगत कराया।इस अवसर पर जनगणना लिपिक अखिलेश नामदेव, शिक्षक सुरेन्द्र महोबिया,अनिल कुमार विश्वकर्मा, रोशनी निगवाल,दीपांशु पाठक,शिवम परौहा, गोविन्द,आदित्य दुबे,सुरेन्द्र कोल,सुरेश बैगा,आयुष मेहरा आदि उपस्थित रहे।

माँ विंध्यवासनी की हुई प्राण प्रतिष्ठा

जबलपुर। गौरीघाट से तिलहरी मार्ग स्थित ग्राम छिवला वीरांगना अवंती बाई वार्ड क्रमांक 67 में सार्वजनिक मां विंध्यवासनी मंदिर की स्थापना एवं प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम 21 से 24 अप्रेल तक आयोजित किया गया। माता विंध्यवासनी प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व कलश यात्रा, शोभायात्रा निकाली गई। हवन, पूजन, अर्चन पश्चात माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई, तत्पश्चात कन्या पूजन एवं भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंदिर के स्थापक सेवक पुजारी पं. गोपाल तिवारी ने पूजन अर्चन कराया। आयोजन में पं. मुन्ना पांडेय, पं. वशिष्ठ नारायण तिवारी, पं. विपिन मिश्रा, पं. राजेन्द्र पांडेय, भोला पांडेय, विद्याकांति पांडेय, अंजना पांडेय, रंजना तिवारी, रीता शुक्ला, कविता तिवारी, मनोज तिवारी का विशेष सहयोग रहा।

लियोनार्ड इंटरैक्ट इको क्लब ने किया पौधारोपण

जबलपुर। लेनार्ड एच.एस. स्कूल के छात्रों के एक समूह ने कुछ व्यावसायिक और फल देने वाले पौधे लगाने के लिए बरहा गांव के कृषि क्षेत्रों का दौरा किया। यह आयोजन पर्यावरण को बेहतर बनाने और हमारे आसपास के प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाने के लिए अपना कर्तव्य निभाने के विचार और उद्देश्य से किया गया था। इस अवसर पर इंटरैक्ट इको क्लब सदस्यों द्वारा कई वाणिज्यिक और फल देने वाले पौधे लगाए गए, जिसमें उन्होंने गहरी रुचि ली और वृक्षारोपण समारोह में भाग लिया। प्रिंसिपल एलजी लोबो ने पौधे लगाने की इस गतिविधि के महत्व और वनों की कटाई, प्रदूषण और वैश्विक तपन के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित इंटरेक्ट इको क्लब के सदस्यों से आग्रह किया कि वे आसपास की कॉलोनियों में न केवल पौधे लगाएं, बल्कि उसकी देखभाल भी सुनिश्ति करें। उन्होंने छात्रों को बताया कि जन्मदिन और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों और त्योहारों पर बच्चों और उनके रिश्तेदारों द्वारा पौधारोपण किया जा सकता है। उपस्थित इंटरेक्ट सदस्यों ने गड्ढे खोदने, खाद मिलाने और पौधे रोपने में गहरी रुचि ली। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों द्वारा बांस, पपीता, अशोक के पौधे एवं फलदार पौधे लगाये गये। वृक्षारोपण में सक्रिय भाग लेने वाले छात्रों में जिया, अनुष्का, वंशिका, श्रुति, त्रिशिका, नैना, लवली, आर्यन, दक्ष, अनित, अनमोल, जॉयसन, रोहित, अनिवेश, एलेक्स, अरविंद, अर्पित शामिल थे। बच्चों के साथ इंट्रेक्ट इको क्लब प्रभारी मिस हर्षिता मैम और समारा एन मैम उपस्थित थीं। स्कूल लौटने से पहले बच्चों ने फार्म हाउस में हल्के जलपान का आनंद लिया।

फायर एनओसी की जांच लगभग ठप पड़ी

दोषियों पर नहीं हो रही कार्यवाही

जबलपुर।

विशेष जांच दल गठित होः उपभोक्ता मंच

जबलपुर में फायर सेफ्टी प्लान तथा फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट्स की जांच लगभग ठप पड़ी है। दोषियों पर कार्यवाही तो दूर, नोटिस तक जारी नहीं हो रहे हैं, आखिरी नोटिस 01 अप्रेल को जारी हुआ है। उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधियों ने फायर अधिकारियों कुशाग्र ठाकुर तथा गजेन्द्र पटेल से जब इस संबंध में चर्चा की तो फायर अधिकारियों ने बताया कि स्टाफ की कमी के कारण फायर एनओसी आदि की चेकिंग के कार्य में सुस्ती आई है।

राज्य सरकार का पत्र

डॉ. पीजी नाजपांडे ने बातया कि एक वर्ष पूर्व 17 जनवरी 2025 को आयुक्त नगरीय प्रशासन मप्र शासन ने फायर सेफ्टी प्लान तथा फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट संबंधी पत्र जारी कर कार्यवाही के निर्देश जारी किए थे, लेकिन न तो जिला प्रशासन, न ही नगर निगम ने कोई गंभीरता दिखाई है। जबलपुर में रहवासी क्षेत्रों में ज्वलनशील सामग्री के गोदाम तथा कारखाने स्थापित किए गए हैं, इनसे भारी बड़े हादसे हो सकते हैं, अतः विशेष जांच दल तत्काल गठित कर कार्यवाही की जाना चाहिए। इस संदर्भ में उपभोक्ता मंच ने महापौर, नगर निगम आयुक्त तथा कलेक्टर को पत्र प्रेषित किया है। चर्चा में डीआर लखेरा, टीके रायघटक भी शामिल थे।

झारिया समाज का सम्मेलन आज

जबलपुर

झारिया कल्याण संघ जबलपुर के तत्वावधान में समाज का वार्षिक सम्मेलन 26 अप्रैल 2026 को मानस भवन जबलपुर में प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जायेगा। सम्मेलन के दौरान विवाह योग्य युवक-युवतियों द्वारा मंच से परिचय दिया जायेगा। कक्षा 10वीं एवं इससे उच्च कक्षाओं की बोर्ड परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान किया जायेगा। निःशुल्क दहेज रहित 11 आदर्श विवाह सम्पन्न कराये जायेंगे। समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जायेगा। संघ के डॉ. एन.पी. झारिया, गणेश सिंह झारिया, पुष्पा झारिया, अजय झारिया, संतोष झारिया, बलराम झारिया, अमित मेहरा, रामेश्वर प्रसाद मेहरा, चंद्रप्रकाश झारिया, अशोक झारिया, दुर्गा झारिया, हरि मेहरा इत्यादि पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वजातीय बंधुओं से सम्मेलन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

ए.पी. नर्मदा महाविद्यालय में विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस मनाया

जबलपुर। वन-एमपी बटालियन जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नितिन शर्मा के मार्गदर्शन में बटालियन की एनसीसी सब यूनिट ए.पी. नर्मदा महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स के द्वारा विश्व रचनात्मक और नवाचार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स के द्वारा आर्टिफीशियल इंटेलीजेंसी शीर्षक के ऊपर सामूहिक चर्चा की गई। कैडेट्स के द्वारा एआई के उपयोग एवं दुरुपयोग के बारे में अपने विचार रखे गए। इस कार्यक्रम को एक मॉक पार्लियामेंट का रूप दिया गया जिसमें कैडेट्स को मंत्री एवं पूर्व एनसीसी कैडेट एवं यूथ आइकन ऋषिता पटेल को सभा का स्पीकर बनाया गया। इस कार्यक्रम का मंतव्य भी रहा कि कैडेट्स सार्वजनिक तौर पर मंच पर आकर अपने विचार रखकर अपनी झिझक खोलें। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य एवं एनसीसी पेट्रोन डॉ. सोनल खरे कैडेट्स के जजमेंट हेतु उपस्थित रहीं, वही कार्यक्रम का समन्वयन महाविद्यालय की एनसीसी अधिकारी लेफ्टि. डॉ. दिव्या पाराशर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन पर महाविद्यालय के चेयरमेन सर्वेश्वर चमन श्रीवास्तव ने हर्ष व्यक्त किया एवं कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन एवं मार्गदर्शन के लिए बटालियन के कमान अधिकारी का आभार। साथ ही कहा कि ऐसी गतिविधियां कैडेट्स के अंदर आत्मविश्वास जागती हैं। महाविद्यालय के कुलसचिव मानवेंद्र सिंह एवं एनसीसी अधिकारी एवं समस्त एनसीसी की टीम को कार्यक्रम के लिए बधाई ज्ञापित की गई।

केंद्र सरकार की अमृत महोत्सव योजना तोड़ रही दम

8 माह से नहीं हो रही पेमेंट मजदूर दर-दर भटक रहे

भेड़ाघाट।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत 2.0 के अंतर्गत वृक्षारोपण वाटर सप्लाई महिलाओं सशक्तिकरण योजना के साथ ही केंद्र सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं का अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत काम तो कर लिया जाता है पेमेंट में सालों साल लग रहे हैं भेड़ाघाट नगर परिषद के अंतर्गत 2000 वृक्ष रोपण का लक्ष्य रखा गया था जिसमें पंचवटी, लम्हेटाघाट ,गोपालपुर, मैं वृक्षारोपण किया गया है और महिलाएं लगातार काम कर रही हैं उनको 8 से 10 मा का वेतन नहीं मिलने से अधिकारियों के चक्कर काट रही हैं अधिकारियों का कहना है कि हमारे द्वारा बिल भोपाल भेज दिया गया है भोपाल से आपके खातों में पैसा डाल दिया जाएगा अभी फंड केंद्र सरकार से आ नहीं रहा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना अमृत महोत्सव योजना को अधिकारी कैसे पलीता लगाते हैं यह देखा जा सकता है जबलपुर संभाग में 29 नगर परिषद में यही हाल है कई कर्मचारियों ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना होने के कारण हम लोगों से कार्यक्रम हेतु अन्य जरूरत की की वस्तुओं का क्रय तो कर लिया जाता हैं पेमेंट की जब बात आती है तो अधिकारी कहते हैं कि हमने बिल भोपाल भेज दिया है वहां से ऑनलाइन पेमेंट आपके खातों में आयेंगी। एक साल के लगभग देखा जा रहा है कि हमेशा फंड का रोना रोए जा रहा है आखिर केंद्र सरकार की योजना को राज्य सरकार के अधिकारी मिट्टी पलीत करने पर उतारू है और लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना को जनता के कैसे लाभ मिलेगा यह कह पाना असंभव सा लग रहा है बड़ी सोचनीय बात है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी और मध्य प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है इसके बाद भी केंद्र सरकार की योजना को कैसे विफल किया जाता हैं यह मध्य प्रदेश सरकार में बैठे मठाधीश अधिकारियों से सीखा जा सकता हैं मजदूर का पेमेंट और अन्य कार्यक्रम होते हैं उसमें नगर परिषद के कर्मचारियों से कार्यक्रम सफल बनाने हेतु समान मंगा लिया जाता है और बिल में सालों से नगर परिषद भेड़ाघाट के चक्कर लगाते रहते हैं अमृत महोत्सव योजना 2.0 मैं कर्मचारी कैसे काम कर रहे हैं मध्य प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बदनाम करने की साजिश तो नहीं चल रही ऐसा लग रहा है कि अधिकारियों द्वारा एक तीर से दो निशाना साधे जा रहे हैं जिसमें केंद्र सरकार की योजना को विफल साबित किया जा सके मध्य प्रदेश सरकार द्वारा फंड रोके जाने से मजदूरों की पेमेंट और अन्य सामग्रियों की पेमेंट ना होने से केंद्र और राज्य सरकार की किरकिरी कर रहे हैं काम की समय तो बड़ी-बड़ी बातें करके काम कर लिया जा रहा है और अब पेमेंट के लिए दर-दर भटकाया जा रहा है एक कर्मचारी ने बताया कि हम लोगों कोअपनी पेमेंट से मतलब है जनता परेशान हो हमें क्या करना हम तो दो चार महिलाओं को इकट्ठा करके फोटो व्हाट्सएप पर डाल देते हैं और हमारी खाना पूर्ति हो जाती हैं संभाग आयुक्त स्तर पर इस योजना का मॉनिटरिंग नहीं होने से केंद्र सरकार की योजना को मिट्टी पलीत करने पर अधिकारी उतारू हैं और राज्य सरकार के द्वारा पेमेंट न करने का आरोप लगाया जा रहा है वल्लभ भवन में बैठे अधिकारियों को अपने संज्ञान में लेना चाहिए नहीं तो माहौल नहीं तो भारतीय जनता पार्टी का माहौल खराब करने पर अधिकारी और कर्मचारियों की करतूतो से लगता है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की सरकार विफल है।

इनका कहना

जब अधिकारियों से चर्चा की गई तो मजदूरों की मजदूरी 8 माह से न मिलने की बात कही गई तो कहा गया कि आप कहीं भी शिकायत करें हम लोगों का काम है बिल भेजना राज्य सरकार द्वारा फंड का रोना रोए जा रहा हैं

अमित दांगी
डेवलपमेंट अधिकारी जबलपुर

डिजिटल प्रस्तुति में झलकी दक्षता : प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन के साथ कंप्यूटर प्रशिक्षण का समापन

जबलपुर। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान, जबलपुर में आयोजित हैंड्स-ऑन कंप्यूटर प्रशिक्षण के तृतीय बैच का समापन विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कंप्यूटर असाइनमेंट एवं प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन के साथ एक भव्य समारोह में हुआ। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने अर्जित ज्ञान और डिजिटल कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता को प्रमाणित किया। यह संपूर्ण कार्यक्रम प्रशिक्षण संस्थान की प्राचार्य एफ. इक्का के मार्गदर्शन में तथा आईसीटी प्रभारी डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव की सतत प्रेरणा में संचालित किया गया, जिनके सतत प्रोत्साहन और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण ने इस कार्यक्रम को एक सफल मॉडल के रूप में स्थापित किया।

प्रशिक्षणार्थियों के फीडबैक ने कार्यक्रम को और भी सार्थक बना दिया। रीता ठाकुर ने अपने फीडबैक में कहा कि "इस प्रशिक्षण ने कंप्यूटर के प्रति मेरी समझ को व्यावहारिक रूप से विकसित किया और अब मैं इसे अपने शिक्षण कार्य में आत्मविश्वास के साथ उपयोग कर सकती हूँ।" आगे उन्होंने कहा कि पूरे प्रशिक्षण समय पर डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव का उपस्थित रहकर समय-समय पर हर छोटी समस्या का समाधान सरल तरीके से समझाया गया, जिससे काफी प्रेरणा मिली।यामिनी ठाकरे ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि "डॉ. श्रीवास्तव के सतत मार्गदर्शन में दोनों प्रशिक्षकों राज शर्मा तथा जितेश गुप्ता का प्रशिक्षण देने का तरीका बहुत ही स्पष्ट और व्यावहारिक है। उन्होंने हमें आत्मविश्वास के साथ कंप्यूटर का उपयोग करना सिखाया।"

सर्जना हल्दकार ने कहा कि "इस प्रशिक्षण में डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव द्वारा दिए गए व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने हमारी समझ को गहराई दी। यह कार्यशाला वास्तव में एक उत्कृष्ट नवाचार है।" सभी प्रतिभागियों ने संस्थान के इस प्रयास को सराहते हुए आईसीटी प्रभारी डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने कंप्यूटर विशेषज्ञ राज शर्मा एवं जितेश गुप्ता का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "उनके अनुभव और सरल प्रशिक्षण शैली ने इस कार्यशाला को अत्यंत प्रभावी बनाया।" साथ ही उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों के सकारात्मक सीखने के दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कंप्यूटर विशेषज्ञ राज शर्मा ने कहा कि "यदि सीखने की जिज्ञासा बनी रहे, तो कंप्यूटर कौशल प्राप्त करना अत्यंत सरल हो जाता है। यहां के प्रतिभागियों में सीखने का उत्साह सराहनीय है।" जितेश गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि "व्यावहारिक प्रशिक्षण ही वास्तविक ज्ञान देता है और इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने इसे सिद्ध किया है।"

प्राचार्य प्रतिनिधि जी.पी. यादव ने कहा कि "ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नई तकनीकों से जोड़कर शिक्षा को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाते हैं।" यह समापन समारोह केवल प्रशिक्षण का अंत नहीं, बल्कि प्राचार्या एफ. इक्का का नेतृत्व तथा डॉ. श्रीवास्तव के नवाचारों की सफल परिणिति है। यह डिजिटल दक्षता और नवाचार आधारित शिक्षण की एक नई दिशा का सशक्त संकेत है, जो आने वाले समय में शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करेगा। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों- नेहा रजक, श्रेया दुबे, श्रेयांश रहांगडाले, सुरप्रीत कौर, यजुवेन्द्र सिंह एवं विशाखा खोब्रागड़े को आकर्षक प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रतिनिधि जी.पी. यादव, ICT प्रभारी एवं कार्यक्रम संचालक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, कंप्यूटर विशेषज्ञ राज शर्मा एवं जितेश गुप्ता, सुरेन्द्र चौधरी, श्री रहमान, सुदेश राहंगडाले सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।